अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 20.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) पंजाब के स्थानकवासी श्रावक ने मघवागणी के धैर्य और वार्तालाप से प्रसन्न होकर जाते-जाते क्या प्रार्थना की?

(ख) मघवागणी को कौन से व्याख्यान ग्रन्थ कंठस्थ थे?

(ग) बीदासर क्षेत्र को 1944 का चातुर्मास सहज ही कैसे प्राप्त हो गया?

(घ) युवाचार्य जय ने लाडनूं में बालक मघवा की दीक्षा के लिए कौन सा दिन घोषित किया?

(ङ) मघवागणी की बैकुंठी पर कितने कलश लगाए गए और मुखवस्त्रिका का वजन कितना था?

(च) उदयपुर महाराणा ने मघवागणी के लिए कौन सा सम्मानजनक शब्द प्रयोग किया?

आचार्य श्री माणकलाल जी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) जयाचार्य की सेवा में मुनि माणक ने कौन-कौन से चातुर्मास किए?

(ज) मुनि चिरंजीलाल जी को अग्रणी किसने बनाया?

(झ) माणकगणी के पास साध्वियों का समग्र कार्य साध्वी जेठांजी क्यों संभालती थी?

(ञ) माणकगणी एवं पूर्वज आचार्यों का युवाचार्य काल कितना-कितना रहा?

आचार्य श्री डालचन्द जी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(ट) अन्तरिम काल में पाक्षिक प्रतिक्रमण के पश्चात खमत-खामणा का क्रम किसके कहने से स्थगित किया गया?

(ठ) डालमुनि ने नवदीक्षित मुनि शिवजी और लीलाधर जी को कहाँ और किसके चरणों में समर्पित किया?

(ड) 'मुझे अपना सिर ओखली में नहीं देना है।' यह कथन किसने किससे कहे?

(ढ) डालगणी को सिवाणची-मालाणी क्षेत्रों की यात्रा के बाद पाली क्षेत्र में क्यों और कितने दिन का प्रवास करना पड़ा?

(ण) 'गूढ़ा' निवासियों को कितने वर्षों के बाद चातुर्मास प्राप्त हुआ और उस समय कौन सा विचित्र संयोग घटित हुआ?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मघवागणी के अन्तिम समय में कौन-कौन से अग्रोक्त व्यक्ति सेवा में उपस्थित थे?

(ख) मघवागणी के समग्र साहित्य का नामोल्लेख करें।

(ग) किसी ने कहा–इतने मत है उनमें कौन सा मत सत्य है? तब मघवागणी ने क्या कहा?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'ग्रामीणों का दुर्व्यवहार' घटना प्रसंग लिखें।

(ख) जयाचार्य द्वारा रचित 'गणपत्ति सिखावण' गीतिका में प्रदत्त शिक्षाओं का उल्लेख करें।

प्र. 4 विभिन्न घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य मघवा प्रशांत और संरक्षक प्रकृत्ति के आचार्य थे। 10

अथवा

सिद्ध करें कि मुनि मघवा का व्यक्तित्व एक विकासशील साधु का व्यक्तित्व था।

आचार्य श्री माणकलाल जी–15

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) बालक माणक की धार्मिक रूचि के विषय में संक्षेप में लिखें।

(ख) संक्षेप में स्पष्ट करें कि यति शिवजीराम जी तेरापंथ की एकता और अनुशासन पद्धति से बहुत प्रभावित हुए?

(ग) सिद्ध करें कि माणकगणी उदारमना आचार्य थे।

प्र. 6 सिद्ध करें कि माणकगणी की देशाटन में बहुत रूचि थी। 10

अथवा

माणकगणी के युवाचार्य काल का वर्णन करें।

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) तुम इस भ्रम में मत रहना, मुझे कौन कह सकता है? डालगणी ने मुनि मगनलाल जी से ऐसा क्यों कहा?

(ख) आर्यिका में कौन सा गुणस्थान है? डालगणी के इस प्रश्न पर पंडित जी मौन क्यों हो गए?

(ग) डालगणी ने मुनि चांदमल जी की स्खलना में प्रायश्चित्त समीक्षा करवाई उसका निष्कर्ष क्या हुआ?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'मन साक्षी नहीं दे रहा।' घटना प्रसंग लिखें।

(ख) अन्तरिम काल में कौन-कौन सी व्यवस्थाएं स्थगित की गई, लिखें।

प्र. 9 विभिन्न घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि डालगणी तेरापंथ को एक तेजस्वी और अनुशास्ता आचार्य के रूप में प्राप्त हुए थे। 12

अथवा

डालगणी के जीवन के 'संध्या-काल' का वर्णन करें।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) आगम सम्पादन.....आहार हो।।

(ख) आगें बढ़यो.....अन्धार हो।।

(ग) यात्रा रो.....कार हो।।

(घ) दियो अशान्त.....दिरवा'र हो।।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) कर्‌यो नयो.....ल्यावणहार हो।।

(ख) बुद्धिजीवी.....गुंजार हो।।

(ग) भाद्रव शुक्ल.....सिरजणहार हो।।

(घ) सहज स्वच्छता.....बार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) 'विद्या के प्रांगण में अब व्यापक जीवन विज्ञान हो' गीत वाला पद्य।

(ख) 'निश दिन ध्याऊं, मोद मनाऊं' गीत वाला पद्य।

(ग) 'स्वामी भीखणजी रो नाम आठूं याम ध्यावां' गीत वाला पद्य।

(घ) 'हमारे भाग्य बड़े बलवान' गीत वाला पद्य।